The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS
IAS ACADEMY
PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

Saturday, July 11, 2026

+91 8434931877 | www.achieversiaspatna.co.in | achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- भारत और ऑस्ट्रेलिया ने यूरेनियम आपूर्ति और महत्वपूर्ण खनिज सहयोग पर ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए
- QCI और NSIC ने ZED प्रमाणन और डिजिटल बाजार पहुंच के माध्यम से एमएसएमई विकास को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी की
- उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड भारत का छठा पूर्ण साक्षर राज्य बना
- नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में दुनिया के पहले सप्ताह में आने वाले बेसल इंसुलिन के रूप में अविकली लॉन्च किया
- जिनेवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, गवर्नेंस और इनोवेशन पर ग्लोबल एआई समिट 2027 की मेजबानी करेगा
- जयपुर 2026 में दुनिया के सबसे खुशहाल शहरों में छठे स्थान पर
- RBI ने महेश मुरलीधर पई को साउथ इंडियन बैंक के एमडी और सीईओ के रूप में मंजूरी दी
- भारत और ताजिकिस्तान ने 12वीं जेसीटीईसी बैठक के माध्यम से आर्थिक सहयोग को मजबूत किया
- भारत और वियतनाम संसदीय मित्रता और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर सहमत हुए
- केंद्र और दिल्ली सरकार ने हरित वन क्षेत्र की रक्षा के लिए दिल्ली रिज कायाकल्प अभियान शुरू किया
- इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला है कि शरीयत बाल विवाह संरक्षण कानूनों को खत्म नहीं कर सकती

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने यूरेनियम आपूर्ति और महत्वपूर्ण खनिज गलियारे पर ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए

- भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान कई ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिससे उनकी व्यापक रणनीतिक साझेदारी काफी मजबूत हुई।
- प्रमुख परिणामों में शांतिपूर्ण असैन्य परमाणु उद्देश्यों के लिए भारत को ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम की वाणिज्यिक आपूर्ति को संचालित करने के लिए एक समझौता, एक समर्पित भारत-ऑस्ट्रेलिया महत्वपूर्ण खनिज गलियारे का शुभारंभ, और साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ऑस्ट्रेलिया-भारत साझेदारी (एआई-पैक्ट) का संचालन शामिल था।
- दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर एक संयुक्त घोषणा भी जारी की और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप अपनाया।

प्रमुख परिणाम:

- ऑस् ट्रेलिया भारत को शांतिपूर्ण असैन्य परमाणु इस् तेमाल के लिए यूरेनियम की आपूर्ति करेगा।
- भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर का शुभारंभ।
- एआई-पैक्ट (साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ऑस्ट्रेलिया-भारत साझेदारी) का संचालन।
- रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा।
- समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप।
- जहाज निर्माण, रक्षा नवाचार और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग को मजबूत करने का निर्णय।

यूरेनियम आपूर्ति समझौता:

- ऑस्ट्रेलिया ने असैन्य परमाणु सहयोग ढांचे के तहत भारत को यूरेनियम का वाणिज्यिक निर्यात शुरू करने पर सहमति व्यक्त की, जिससे भारत की स्वच्छ ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा मिलेगा।

उद्देश्य:

- भारत के बढ़ते परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का समर्थन करना।
- भारत के स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना।
- दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना।
- द्विपक्षीय रणनीतिक सहयोग को गहरा करना।

महत्वपूर्ण तथ्य:

- यूरेनियम की आपूर्ति केवल अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा उपायों के तहत शांतिपूर्ण असैन्य परमाणु उद्देश्यों के लिए की जाएगी।
- यह समझौता 2014 में हस्ताक्षरित ऑस्ट्रेलिया-भारत नागरिक परमाणु सहयोग समझौते (जो 2015 में लागू हुआ) को संचालित करता है।
- ऑस्ट्रेलिया के पास दुनिया का सबसे बड़ा ज्ञात पुनर्प्राप्त करने योग्य यूरेनियम भंडार है, जो इसे एक प्रमुख वैश्विक आपूर्तिकर्ता बनाता है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर:

- दोनों देशों ने उन्नत विनिर्माण और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक खनिजों के लिए लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए एक समर्पित महत्वपूर्ण खनिज गलियारा शुरू किया।

उद्देश्य:

- रणनीतिक खनिजों के लिए सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला।
- प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन को बढ़ावा देना।
- इलेक्ट्रिक वाहनों, अर्धचालकों, बैटरी और नवीकरणीय ऊर्जा उद्योगों का समर्थन करें।
- केंद्रित वैश्विक आपूर्ति स्रोतों पर निर्भरता कम करना।

महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण खनिज:

• लिथियम।
• कोबाल्ट।
• निकल।
• सुरमा।
• दुर्लभ पृथ्वी तत्व (आरईई)।
• ताम्र।
• साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ऑस्ट्रेलिया-भारत साझेदारी (AI-PACTS)

एआई-पैक्ट्स पहल का उद्देश्य निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करना है:

• साइबर सुरक्षा।
• महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

• सेमीकंडक्टर और आपूर्ति-श्रृंखला लचीलापन।
• आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)।
• क्वांटम प्रौद्योगिकियां।
• विश्वसनीय डिजिटल बुनियादी ढांचा।

रक्षा और समुद्री सहयोग:

- दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक समन्वय को मजबूत करने के लिए रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए।

प्रमुख क्षेत्र:

- रक्षा मंत्रियों की नियमित वार्ता।
- समुद्री डोमेन जागरूकता।
- संयुक्त सैन्य अभ्यास।
- रक्षा नवाचार और उद्योग सहयोग।
- जहाज निर्माण और जहाज की मरम्मत।
- नेविगेशन की स्वतंत्रता और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था।

भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंध:

- भारत और ऑस्ट्रेलिया एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं, जिसे 2020 में उन्नत किया गया है।

महत्वपूर्ण तथ्य

• राजनयिक संबंधों की स्थापना: 1941।
• रणनीतिक साझेदारी: 2009।
• व्यापक रणनीतिक साझेदारी: 2020।

दोनों देश इसके सदस्य हैं:

• चतुः।
• जी20.
• पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस)।
• हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए)।
• राष्ट्रों का राष्ट्रमंडल।
• भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच असैन्य परमाणु सहयोग
• असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर: 2014।
• लागू हुआ: 2015।

• भारत के सुरक्षित असैन्य परमाणु रिएक्टरों के लिए ऑस्ट्रेलिया के यूरेनियम निर्यात को सक्षम बनाना।
• 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य का समर्थन करता है।

महत्वपूर्ण खनिजों के बारे में:

महत्वपूर्ण खनिज वे खनिज हैं जो हैं:

- आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक।
- स्थानापन्न करना मुश्किल।
- आपूर्ति-श्रृंखला व्यवधानों के प्रति संवेदनशील।

अनुप्रयोगों:

• इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरी।
• नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियां।
• अर्धचालक।
• एयरोस्पेस और रक्षा।
• इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• देश: भारत और ऑस्ट्रेलिया।
• शिखर सम्मेलन: तीसरा भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं का शिखर सम्मेलन।
• स्थान: मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया।
• नेता: नरेंद्र मोदी और एंथनी अल्बनीज।
• प्रमुख समझौता: शांतिपूर्ण नागरिक परमाणु उपयोग के लिए वाणिज्यिक यूरेनियम की आपूर्ति।
• नई पहल: भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर।
• प्रौद्योगिकी पहल: एआई-पैक्ट्स (साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ऑस्ट्रेलिया-भारत साझेदारी)।
• रक्षा परिणाम: रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा।
• असैन्य परमाणु समझौता: 2014 में हस्ताक्षरित; नवीनतम व्यवस्था के माध्यम से परिचालित।
• रणनीतिक साझेदारी: व्यापक रणनीतिक साझेदारी (2020)।

QCI और NSIC ने ZED प्रमाणन, डिजिटल बाजार पहुंच और MSME सहायता पहलों को एकीकृत करने के लिए साझेदारी की

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

- भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) और राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (NSIC) ने शून्य दोष शून्य प्रभाव (ZED) प्रमाणन, डिजिटल बाजार पहुंच और क्षमता निर्माण पहल को एकीकृत करके सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।
- साझेदारी का उद्देश्य एनएसआईसी की बाजार सुविधा और व्यापार सहायता सेवाओं के साथ क्यूसीआई के गुणवत्ता प्रमाणन ढांचे को जोड़कर भारतीय एमएसएमई की गुणवत्ता, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है।

MSME सस्टेनेबल (ZED) प्रमाणन योजना क्या है?

- MSME सस्टेनेबल (ZED) प्रमाणन योजना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य विनिर्माण MSME को विश्व स्तरीय गुणवत्ता और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ विनिर्माण प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

प्रमुख विशेषताएं:

• पूर्ण रूप: शून्य दोष शून्य प्रभाव (ZED)।
• नोडल मंत्रालय: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय।
• कार्यान्वयन एजेंसी: भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई)।

विजन:

• शून्य दोष: न्यूनतम दोष और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करें।
• शून्य प्रभाव: उत्पादन के दौरान पर्यावरणीय प्रभाव को कम करें।

प्रमाणन स्तर:

• काँसा रंग
• चाँदी जैसा
• सोना
• हीरा
• प्लेटिनम

फ़ायदे:

- वित्तीय प्रोत्साहन और प्रमाणन सब्सिडी।
- उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार।
- बेहतर पर्यावरण प्रदर्शन।
- निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि।
- वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में आसान एकीकरण।

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (NSIC) की भूमिका:

- राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) एक मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है जो एकीकृत व्यावसायिक सहायता प्रदान करके एमएसएमई के विकास को बढ़ावा देता है।

महत्वपूर्ण तथ्य

• स्थापित: 1955।
• प्रशासनिक मंत्रालय: एमएसएमई मंत्रालय।
• मुख्यालय: नई दिल्ली।
• स्थिति: मिनी रत्न एंटरप्राइज।

प्रमुख सेवाएं:

- कच्चे माल की सहायता।
- ऋण सुविधा।
- विपणन सहायता।
- सरकारी खरीद सहायता।
- प्रौद्योगिकी और ऊष्मायन समर्थन।
- एमएसएमई ग्लोबल मार्ट के माध्यम से डिजिटल सेवाएं।

भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) के बारे में:

- भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने के लिए स्थापित एक स्वायत्त निकाय है।

महत्वपूर्ण तथ्य

• स्थापित: 1997।
• प्रकार: स्वायत्त निकाय (सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल)।
• मुख्यालय: नई दिल्ली।
• मूल विभाग: उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

कार्य:

- प्रत्यायन और प्रमाणन।
- गुणवत्ता संवर्धन।
- मानकीकरण।
- क्षमता निर्माण।
- गुणवत्ता से संबंधित राष्ट्रीय पहलों का कार्यान्वयन।

डिजिटल बाजार पहुंच पहल:

साझेदारी के तहत, एमएसएमई को निम्नलिखित के लिए सहायता प्राप्त होगी:

- डिजिटल मार्केटप्लेस पर ऑनबोर्डिंग।
- ई-कॉमर्स भागीदारी।
- डिजिटल व्यापार उपकरण।
- ऑनलाइन ब्रांडिंग और मार्केटिंग।
- डिजिटल अनुपालन और व्यापार स्वचालन।
- एनएसआईसी प्लेटफार्मों के माध्यम से बाजार संबंधों में सुधार।

एमएसएमई का समर्थन करने वाली सरकारी पहल:

- एमएसएमई सस्टेनेबल (जेडईडी) प्रमाणन योजना।
- उद्यम पंजीकरण पोर्टल।
- एमएसएमई प्रदर्शन (आरएएमपी) योजना को बढ़ाना और तेज करना।
- पीएम विश्वकर्मा योजना।
- सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई)।
- प्रापण और विपणन सहायता (पीएमएस) योजना।
- एमएसएमई चैंपियंस पोर्टल।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) और राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (NSIC) के बीच समझौता ज्ञापन।
• योजना एकीकृत: एमएसएमई सतत (जेडईडी) प्रमाणन।
• ZED फुल फॉर्म: जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट।
• नोडल मंत्रालय (जेडईडी): एमएसएमई मंत्रालय।
• कार्यान्वयन एजेंसी (जेडईडी): भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई)।
• NSIC की स्थापना: 1955।
• क्यूसीआई की स्थापना: 1997।
• एनएसआईसी मुख्यालय: नई दिल्ली।
• फोकस क्षेत्र: गुणवत्ता प्रमाणन, डिजिटल बाजार पहुंच, एमएसएमई क्षमता निर्माण, स्थिरता।
• संबंधित सरकारी पहल: मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत।

उत्तराखंड बना देश का छठा पूर्ण साक्षर राज्य

- शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा निर्धारित साक्षरता मानकों को पूरा करने के बाद उत्तराखंड को आधिकारिक तौर पर भारत का छठा पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप ULLAS (समाज में सभी के लिए आजीवन सीखने की समझ) – न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम के तहत राज्यपाल द्वारा घोषणा को मंजूरी दी गई थी।
- इस उपलब्धि के साथ, उत्तराखंड पूर्ण साक्षर राज्यों की सूची में मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम में शामिल हो गया।

उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

• शिक्षा मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया।
• 2022-2027 के लिए लागू।
• 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के निरक्षर वयस्कों को लक्षित करता है।
• स्वयंसेवा के सिद्धांत (कर्तव्य बोध) पर आधारित।

उल्लास के पांच घटक

• मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन)
• महत्वपूर्ण जीवन कौशल
• बुनियादी शिक्षा
• व्यावसायिक कौशल
• सतत शिक्षा

'पूर्ण साक्षर राज्य' क्या है?

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

- एक राज्य को पूर्ण साक्षर माना जाता है जब वह प्रमाणन और मूल्यांकन के माध्यम से लक्षित आबादी के बीच निर्धारित वयस्क साक्षरता बेंचमार्क (उल्लास दिशानिर्देशों के तहत लगभग 95% या उससे अधिक) प्राप्त करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 की जगह लेगा।
- राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) पर जोर देता है।
- आजीवन सीखने, डिजिटल साक्षरता, व्यावसायिक शिक्षा और वयस्क शिक्षा को बढ़ावा देता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• 6 वां पूर्ण साक्षर राज्य: उत्तराखंड
• कार्यक्रम: उल्लास - समाज में सभी के लिए आजीवन सीखने की समझ (न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम)
• ULLAS की अवधि: 2022-2027
• लक्ष्य समूह: निरक्षर वयस्क (15 वर्ष और उससे अधिक)
• पूर्ण साक्षर घोषित राज्य: मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड।

भारत को सप्ताह में एक बार मिलने वाला पहला बेसल इंसुलिन: नोवो नॉर्डिस्क ने लॉन्च किया अविकली

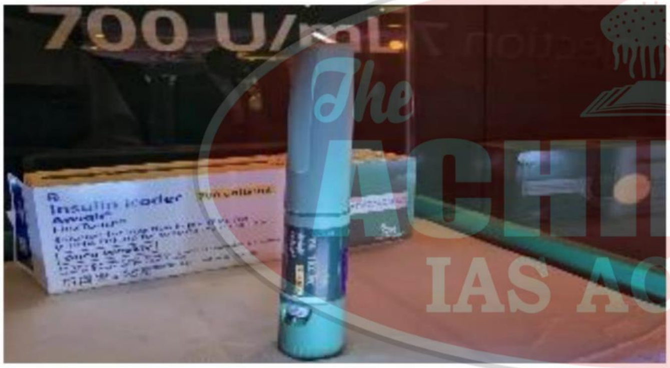

- डेनिश दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में अविकली (इंसुलिन इकोडेक) लॉन्च किया है - नैदानिक उपयोग के लिए अनुमोदित दुनिया का पहला सप्ताह में बेसल इंसुलिन।
- नई थेरेपी टाइप 1 और टाइप 2 मधुमेह वाले वयस्कों के लिए डिज़ाइन की गई है जिन्हें बेसल इंसुलिन की आवश्यकता होती है और इंसुलिन इंजेक्शन की संख्या को प्रति वर्ष 365 से घटाकर केवल 52 कर दिया जाता है, संभावित रूप से उपचार के पालन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। भारत इस ब्रेकथ्रू थेरेपी को शुरू करने वाले विश्व के पहले देशों में से एक है।

बेसल इंसुलिन क्या है?

- बेसल इंसुलिन एक लंबे समय तक काम करने वाला इंसुलिन है जो भोजन और रात भर के बीच रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखता है।
- यह शरीर की प्राकृतिक पृष्ठभूमि इंसुलिन स्राव की नकल करता है।
- यह आमतौर पर टाइप 1 मधुमेह में और उन्नत टाइप 2 मधुमेह में उपयोग किया जाता है जब अकेले मौखिक दवाएं अपर्याप्त होती हैं।

अविकली (इंसुलिन इकोडेक) के बारे में:

- नोवो नॉर्डिस्क (डेनमार्क) द्वारा विकसित।
- जेनेरिक नाम: इंसुलिन आइकोडेक।
- यह नैदानिक उपयोग के लिए अनुमोदित पहला सप्ताह बेसल इंसुलिन है।
- इसमें कार्रवाई की एक अति-लंबी अवधि होती है, जिससे हर सात दिनों में एक इंजेक्शन की अनुमति मिलती है।
- रोगी के पालन में सुधार करने, इंजेक्शन के बोझ को कम करने और प्रभावी ग्लाइसेमिक नियंत्रण बनाए रखने का इरादा है।

टाइप 1 और टाइप 2 मधुमेह के बीच अंतर

• टाइप 1 मधुमेह	टाइप 2 मधुमेह
• अग्नाशयी β-कोशिकाओं का ऑटोइम्यून विनाश	प्रगतिशील इंसुलिन की कमी के साथ इंसुलिन प्रतिरोध
• आमतौर पर बचपन या किशोरावस्था में शुरू होता है	आमतौर पर वयस्कों में विकसित होता है, लेकिन युवा लोगों में तेजी से देखा जाता है
• आजीवन इंसुलिन थेरेपी आवश्यक है	आवश्यकता पड़ने पर जीवनशैली में बदलाव, मौखिक दवाओं और इंसुलिन के साथ प्रबंधित किया जाता है

वैश्विक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य:

- मधुमेह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा पहचाने गए प्रमुख गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) में से एक है।
- यह सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 3.4 के तहत एक प्रमुख फोकस है, जिसका उद्देश्य रोकथाम और उपचार के माध्यम से एनसीडी से समय से पहले मृत्यु दर को कम करना है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• कंपनी: नोवो नॉर्डिस्क (डेनमार्क)।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

- दवा का नाम: अविकली।
- सामान्य नाम: इंसुलिन आइकोडेक।
- महत्व: दुनिया का पहला सप्ताह में एक बार बेसल इंसुलिन।
- लॉन्च देश: भारत।
- रोग लक्षित: मधुमेह मेलेटस।
- योग्य मरीज: टाइप 1 और टाइप 2 मधुमेह वाले वयस्कों को बेसल इंसुलिन की आवश्यकता होती है।
- इंसुलिन का प्रकार: बेसल (लंबे समय तक काम करने वाला/पृष्ठभूमि) इंसुलिन।
- खुराक आवृत्ति: हर 7 दिन में एक बार (प्रति वर्ष 52 इंजेक्शन)।
- पिछला मानक: एक बार दैनिक बेसल इंसुलिन (प्रति वर्ष 365 इंजेक्शन)।
- मुख्य लाभ: रोगी के पालन में सुधार करता है और इंजेक्शन का बोझ कम करता है।
- कंपनी मुख्यालय: Bagsværd, डेनमार्क।

जिनेवा जून 2027 में वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा

- स्विट्जरलैंड ने घोषणा की है कि जिनेवा एआई शिखर सम्मेलन 2027 21-22 जून 2027 को पालएक्सपो, जिनेवा में आयोजित किया जाएगा।
- शिखर सम्मेलन का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट के साथ बैक-टू-बैक किया जाएगा, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शासन, नवाचार, सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के भविष्य पर चर्चा करने के लिए राष्ट्राध्यक्षों, नीति निर्माताओं, प्रौद्योगिकी कंपनियों, शोधकर्ताओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और नागरिक समाज को एक साथ लाया जाएगा।
- यह घोषणा स्विस फेडरल काउंसलर अल्बर्ट रोस्टी ने जिनेवा में एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट 2026 के दौरान की थी।

एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट:

- अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) द्वारा आयोजित।
- संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के साथ साझेदारी में स्विट्जरलैंड सरकार के साथ सह-बैठक हुई।
- 2017 में लॉन्च किया गया।
- संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए एआई का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- जिनेवा में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू):

- स्थापित: 1865।
- मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड।
- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी।
- दूरसंचार, रेडियो स्पेक्ट्रम आवंटन, उपग्रह कक्षाओं और डिजिटल कनेक्टिविटी में वैश्विक मानकों के लिए जिम्मेदार।

जिनेवा का वैश्विक महत्व:

- अंतरराष्ट्रीय संगठनों की एकाग्रता के कारण इसे "शांति राजधानी" के रूप में जाना जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र के यूरोपीय मुख्यालय और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की मेजबानी करता है, जो इसे वैश्विक कूटनीति के लिए एक अग्रणी स्थान बनाता है।

वैश्विक एआई शिखर सम्मेलनों का विकास

- 2023: एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन - ब्लेचली पार्क, यूनाइटेड किंगडम।
- 2024: एआई सियोल शिखर सम्मेलन - दक्षिण कोरिया।
- 2025: एआई एक्शन समिट - पेरिस, फ्रांस।
- 2026: एआई इम्पैक्ट समिट – नई दिल्ली, भारत।
- 2027: एआई शिखर सम्मेलन - जिनेवा, स्विट्जरलैंड।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- ग्लोबल एआई समिट होस्ट कंट्री (2027): स्विट्जरलैंड।
- स्थान: पालएक्सपो, जिनेवा।
- तिथियाँ: 21-22 जून 2027।
- द्वारा घोषणा: स्विस फेडरल काउंसलर अल्बर्ट रोस्टी।
- एसोसिएटेड इवेंट: अच्छे ग्लोबल समिट के लिए आईटीयू एआई।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

• अंतर्राष्ट्रीय निकाय का आयोजन: अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू)।	• आईटीयू की स्थापना: 1865।
• आईटीयू मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड।	

जयपुर 2026 में दुनिया के सबसे खुशहाल शहरों में शुमार

- जयपुर ने विश्व के सबसे खुशहाल शहरों की सूची 2026 में विश्व स्तर पर 6वां स्थान हासिल किया है, जिससे यह सर्वेक्षण में सर्वोच्च रैंक वाला भारतीय शहर बन गया है। रैंकिंग समग्र जीवन संतुष्टि, समुदाय से संबंधित, सुरक्षा, सामर्थ्य, सार्वजनिक स्थानों तक पहुंच, कार्य-जीवन संतुलन और शहरी जीवन की गुणवत्ता के बारे में निवासियों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित थी। यूनाइटेड किंगडम का बाथ सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद पनामा सिटी और ग्वाडलजारा (मैक्सिको) हैं।

दुनिया के सबसे खुशहाल शहर 2026 (शीर्ष 10):

• स्नान (यूनाइटेड किंगडम)
• पनामा सिटी (पनामा)
• ग्वाडलजारा (मेक्सिको)
• मेडेलिन (कोलंबिया)
• क्राको (पोलैंड)
• जयपुर (भारत)
• शिकागो (संयुक्त राज्य अमेरिका)
• केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका)
• शंघाई (चीन)
• गोथेनबर्ग (स्वीडन)

सर्वेक्षण में प्रयुक्त पैरामीटर

रैंकिंग नागरिकों की धारणाओं पर आधारित है:

• समग्र खुशी और जीवन संतुष्टि
• बचाव और सुरक्षा
• समुदाय से संबंधित
• रहने की लागत और सामर्थ्य
• हरित और सार्वजनिक स्थानों तक पहुंच
• कार्य-जीवन संतुलन
• सार्वजनिक सेवाएं और शहरी बुनियादी ढांचा

जयपुर के बारे में:

• राज्य: राजस्थान
• उपनाम: गुलाबी शहर
• यूनेस्को विश्व धरोहर शहर: 2019 में घोषित।
• द्वारा स्थापित: महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय।
• स्थापना का वर्ष: 1727।

- भारत के शुरुआती नियोजित शहरों में से एक, जिसे वास्तु शास्त्र और ग्रिड-आधारित शहरी नियोजन के सिद्धांतों के अनुसार डिजाइन किया गया है।

भारत में शहरी विकास पहल:

- स्मार्ट सिटी मिशन – शहरी बुनियादी ढांचे, शासन, गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए 2015 में शुरू किया गया।
- अमृत (अटल मिशन फॉर रिजुवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन) – जल आपूर्ति, सीवरेज, शहरी परिवहन और हरित स्थानों पर केंद्रित है।
- पीएम ई-बस सेवा योजना - इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से स्थायी शहरी सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देती है।
- स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) – शहरों में स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• दुनिया का सबसे खुशहाल सर्वोच्च रैंक वाला भारतीय शहर: जयपुर।
• वैश्विक रैंक: 6 वां।
• शीर्ष क्रम का शहर: बाथ, यूनाइटेड किंगडम।
• भारतीय राज्य: राजस्थान।
• यूनेस्को विश्व धरोहर शहर का दर्जा: 2019।
• जयपुर के संस्थापक: महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

• स्थापित: 1727।

भारतीय रिजर्व बैंक ने महेश मुरलीधर पई को साउथ इंडियन बैंक के एमडी और सीईओ के रूप में मंजूरी दी

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने महेश मुरलीधर पई को तीन साल के कार्यकाल के लिए साउथ इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक (MD) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है, जो 1 अक्टूबर 2026 से प्रभावी है।
- पई वर्तमान में केनरा बैंक में मुख्य महाप्रबंधक (डिजिटल बैंकिंग और नवाचार) के रूप में कार्यरत हैं।
- यह नियुक्ति बैंकिंग विनियमन अधिनियम और सेबी के नियमों के अनुसार बैंक के बोर्ड और शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन के अधीन है।

- बैंक सीईओ की नियुक्ति में RBI की भूमिका:
- बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत, निजी क्षेत्र के बैंकों के एमडी और सीईओ की नियुक्ति या पुनर्नियुक्ति के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति की आवश्यकता होती है।
- आरबीआई 'फिट और उचित' मानदंडों के आधार पर उम्मीदवारों का मूल्यांकन करता है, जिसमें ईमानदारी, पेशेवर क्षमता, बैंकिंग अनुभव और शासन मानक शामिल हैं।
- ऐसी नियुक्तियां बैंक के निदेशक मंडल और शेयरधारकों के अनुमोदन के अध्यधीन भी होती हैं, जहां भी लागू हो।

अबाउट महेश मुरलीधर पाई

- वर्तमान में केनरा बैंक में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में कार्य करते हैं।
- लगभग तीन दशकों का बैंकिंग अनुभव है।

विशेषज्ञता में शामिल हैं:

• डिजिटल बैंकिंग और नवाचार
• खजाना
• विदेशी मुद्रा
• खुदरा बैंकिंग
• एमएसएमई क्रेडिट
• कृषि ऋण
• रणनीति और कॉर्पोरेट गवर्नेंस।

साउथ इंडियन बैंक के बारे में:

• स्थापित: 1929.
• मुख्यालय: त्रिशूर, केरल।
• प्रकार: निजी क्षेत्र का बैंक।

- यह भारत के सबसे पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक है, जो खुदरा, कॉर्पोरेट, एमएसएमई और डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है।

केनरा बैंक के बारे में:

• स्थापित: 1906.
• संस्थापक: अम्मेम्बल सुब्बा राव पई।
• मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक।
• राष्ट्रीयकृत: 1969।
• एमडी & सीईओ: ब्रजेश कुमार सिंह

बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949:

- भारत में बैंकिंग कंपनियों के विनियमन और पर्यवेक्षण को नियंत्रित करता है।

RBI को निम्नलिखित के लिए सशक्त बनाता है:

• लाइसेंस बैंक।
• प्रबंधन और शासन को विनियमित करें।
• निरीक्षण करें।
• विवेकपूर्ण मानदंड जारी करें।

- निजी क्षेत्र के बैंकों में प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों की नियुक्तियों को मंजूरी देना।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• साउथ इंडियन बैंक न्यू एमडी & सीईओ: महेश मुरलीधर पाई
• वर्तमान पद: मुख्य महाप्रबंधक, केनरा बैंक।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

- प्रभावी तिथि: 1 अक्टूबर 2026।
- कार्यकाल: तीन साल।
- साउथ इंडियन बैंक का मुख्यालय: त्रिशूर, केरल।

- प्रासंगिक कानून: बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949

भारत और ताजिकिस्तान आर्थिक सहयोग को गहरा करने पर सहमत हुए

- भारत और ताजिकिस्तान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर भारत-ताजिकिस्तान संयुक्त आयोग (जेसीटीईसी) की 12वीं बैठक के दौरान द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।
- दोनों देशों ने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा, जल विद्युत, नवीकरणीय ऊर्जा, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, कपड़ा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, परिवहन, रसद, वित्त, स्वास्थ्य सेवा और कृषि में नए अवसरों की पहचान की।

भारत-ताजिकिस्तान संयुक्त आयोग (JCTEC):

- पूरा नाम: व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर भारत-ताजिकिस्तान संयुक्त आयोग।
- यह द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा और विस्तार के लिए संस्थागत तंत्र के रूप में कार्य करता है।
- 12वीं बैठक व्यापार सुविधा, निवेश संवर्धन और क्षेत्र-विशिष्ट सहयोग पर केंद्रित थी।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- व्यापार और निवेश
- नवीकरणीय ऊर्जा और जल विद्युत
- महत्वपूर्ण खनिज और खनन
- फार्मास्यूटिकल्स और हेल्थकेयर
- कृषि और खाद्य प्रसंस्करण
- डिजिटल अर्थव्यवस्था और सूचना प्रौद्योगिकी
- परिवहन और रसद
- बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं
- कपड़ा और एमएसएमई

ताजिकिस्तान के बारे में:

- राजधानी: दुशांबे
- मुद्रा: सोमोनी (TJS)
- अध्यक्ष: इमोमाली रहमान
- क्षेत्र: मध्य एशिया
- सीमाएँ: अफगानिस्तान, चीन, किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान।

- पामीर पर्वत देश के अधिकांश हिस्से को कवर करता है, जिससे इसे "दुनिया की छत" उपनाम मिला है।

भारत-ताजिकिस्तान संबंध:

- सोवियत संघ से ताजिकिस्तान की स्वतंत्रता के बाद 1992 में राजनयिक संबंध स्थापित किए गए थे।
- भारत की Connect Central Asia Policy के तहत ताजिकिस्तान एक महत्वपूर्ण भागीदार है।
- भारत और ताजिकिस्तान आतंकवाद का मुकाबला, रक्षा, क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कनेक्टिविटी में सहयोग करते हैं।
- भारत ने अनुदान, ऋण सहायता और भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के माध्यम से ताजिकिस्तान में विकास परियोजनाओं का समर्थन किया है।

कनेक्ट मध्य एशिया नीति:

- 2012 में भारत द्वारा लॉन्च किया गया।

पांच मध्य एशियाई गणराज्यों के साथ सहयोग को मजबूत करने का उद्देश्य:

- कज़ाकस्तान
- किरगिज़स्तान
- ताजिकिस्तान
- तुर्कमेनिस्तान
- उज़्बेकिस्तान

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:

• ऊर्जा सुरक्षा
• व्यापार और निवेश
• कनेक्टिविटी
• रक्षा और सुरक्षा
• क्षमता निर्माण
• सांस्कृतिक आदान-प्रदान

ताजिकिस्तान का सामरिक महत्व:

- अफगानिस्तान के साथ एक लंबी सीमा साझा करता है, जो इसे क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है।
- यह मध्य एशिया के साथ भारत के जुड़ाव के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।
- स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और उन्नत विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• देश: ताजिकिस्तान
• राजधानी: दुशांबे
• मुद्रा: सोमोनी (TJS)
• क्षेत्रीय समूह: मध्य एशिया
• बैठक: व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर 12 वीं भारत-ताजिकिस्तान संयुक्त आयोग
• मुख्य फोकस: व्यापार, निवेश, ऊर्जा, जल विद्युत, महत्वपूर्ण खनिज, डिजिटल अर्थव्यवस्था, परिवहन, रसद और स्वास्थ्य सेवा।
• भारतीय विदेश नीति पहल: कनेक्ट सेंट्रल एशिया पॉलिसी (2012)।

भारत और वियतनाम संसदीय मित्रता को प्रगाढ़ बनाने पर सहमत हुए

- भारत और वियतनाम ने वियतनाम में भारत के राजदूत शेरिंग डब्ल्यू शेरपा और वियतनाम-भारत संसदीय मैत्री समूह (वीआईपीपीजी) के अध्यक्ष फान ची हियू के बीच एक बैठक के बाद संसदीय सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की है।
- दोनों पक्ष संसदीय मित्रता को गहरा करने, विधायी सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने और दोनों देशों की विधानसभाओं के बीच सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए।
- उन् होंने इस बात पर जोर दिया कि संसदीय मैत्री समूह भारत-वियतनाम संवर्धित व् यापक रणनीतिक साझेदारी (ईसीएसपी) को और मजबूत करने में महत् वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

भारत-वियतनाम संसदीय सहयोग:

संसदीय मैत्री समूह को बढ़ावा देते हैं:

- संसदीय प्रतिनिधिमंडलों का आदान-प्रदान।
- विधायी और समिति की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना।
- संसद सदस्यों के बीच सहयोग।
- लोगों से लोगों के बीच और संस्थागत संबंधों में वृद्धि।
- भारत ने मार्च 2026 में भारत-वियतनाम संसदीय मैत्री समूह का गठन किया, जिसकी अध्यक्षता सांसद (लोकसभा) श्री विष्णु दयाल राम ने की।

भारत-वियतनाम ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी (ECSP) को बढ़ाया:

- मई 2026 में वियतनामी नेतृत्व की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान संबंधों को एक उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी (ECSP) में उन्नत किया गया था।

साझेदारी निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करती है:

• रक्षा और समुद्री सुरक्षा।
• व्यापार और निवेश।
• डिजिटल प्रौद्योगिकी और नवाचार।
• सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां।
• नवीकरणीय ऊर्जा।
• अंतरिक्ष सहयोग।
• शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान।

भारत-वियतनाम द्विपक्षीय संबंध:

- राजनयिक संबंधों की स्थापना: 1972।
- वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो-पैसिफिक विजन का एक प्रमुख स्तंभ है।

दोनों देश निम्नलिखित के माध्यम से घनिष्ठ सहयोग करते हैं:

• आसियान।
• पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस)।
• मेकांग-गंगा सहयोग (एमजीसी)।
• संयुक्त राष्ट्र।

रक्षा सहयोग में शामिल हैं:

• संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण।
• नौसेना के जहाज का दौरा।
• समुद्री सुरक्षा सहयोग।
• क्षमता निर्माण और रक्षा उद्योग सहयोग।

वियतनाम के बारे में:

• राजधानी: हनोई।
• मुद्रा: वियतनामी डोंग (VND)।
• आधिकारिक नाम: वियतनाम का समाजवादी गणराज्य।
• क्षेत्र: दक्षिण पूर्व एशिया।
• सदस्य: आसियान, एपेक, डब्ल्यूटीओ, संयुक्त राष्ट्र।

एक्ट ईस्ट पॉलिसी:

- 2014 में लॉन्च किया गया, जो पहले की लुक ईस्ट पॉलिसी की जगह लेता है।
- इसका उद्देश्य आसियान और व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ भारत के रणनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और कनेक्टिविटी संबंधों को मजबूत करना है।
- वियतनाम इस नीति के तहत भारत के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक भागीदारों में से एक है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• देश: भारत और वियतनाम।
• महत्वपूर्ण विकास: संसदीय मित्रता को गहरा करने के लिए समझौता।
• भारतीय प्रतिनिधि: राजदूत शेरिंग डब्ल्यू. शेरपा।
• वियतनामी प्रतिनिधि: फान ची हियू।
• संस्थान: वियतनाम-भारत संसदीय मैत्री समूह (VIPFG)।
• रणनीतिक ढांचा: भारत-वियतनाम ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी (ECSP) को बढ़ाया।
• भारत की क्षेत्रीय नीति: एक्ट ईस्ट पॉलिसी।
• वियतनाम की राजधानी: हनोई।
• मुद्रा: वियतनामी डोंग (VND)।

केंद्र और दिल्ली सरकार ने प्रमुख दिल्ली रिज कायाकल्प पहल शुरू की

- भारत सरकार और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली सरकार ने अरावली रेंज के उत्तरी विस्तार, दिल्ली रिज को बहाल करने और कानूनी रूप से संरक्षित करने के लिए एक बड़ी पहल की घोषणा की है। दिल्ली रिज कायाकल्प अभियान के तहत, जैव विविधता के संरक्षण, भूजल पुनर्भरण में सुधार, वायु प्रदूषण को कम करने और दिल्ली के पारिस्थितिक लचीलेपन को मजबूत करने के लिए अगले चार वर्षों में ग्रीन रिज क्षेत्र के लगभग 6,300 हेक्टेयर को संरक्षित वन भूमि के रूप में विकसित किया जाएगा।

दिल्ली रिज:

- यह अरावली रेंज का उत्तरी विस्तार है।
- आमतौर पर "दिल्ली के हरे फेफड़े" के रूप में जाना जाता है।
- यह पूरी दिल्ली में लगभग 35 किमी तक फैला हुआ है।
- थार रेगिस्तान से आने वाली धूल भरी आंधी के खिलाफ एक प्राकृतिक बाधा के रूप में कार्य करता है और दिल्ली की जलवायु को नियंत्रित करने में मदद करता है।
- एक महत्वपूर्ण भूजल पुनर्भरण क्षेत्र और जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में कार्य करता है।

दिल्ली रिज के चार क्षेत्र:

•	उत्तरी रिज – दिल्ली विश्वविद्यालय के पास (लगभग 87 हेक्टेयर)।
•	सेंट्रल रिज – धौला कुआं (लगभग 864 हेक्टेयर) के आसपास।
•	दक्षिण-मध्य रिज - इसमें संजय वन (लगभग 626 हेक्टेयर) शामिल हैं।
•	दक्षिणी रिज - सबसे बड़ा खंड, असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य (लगभग 6,200 हेक्टेयर) शामिल है।

अरावली रेंज के बारे में:

- दुनिया की सबसे पुरानी गुना पर्वत श्रृंखलाओं में से एक (प्रीकैम्ब्रियन युग)।
- गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में लगभग 670 किमी तक फैला हुआ है।
- सबसे ऊँची चोटी: गुरु शिखर (माउंट आबू), राजस्थान।
- थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर विस्तार के खिलाफ एक प्राकृतिक बाधा के रूप में कार्य करता है।
- बनास, साबरमती और लूनी जैसी नदियों के लिए स्रोत क्षेत्र।
- दिल्ली रिज का पारिस्थितिक महत्व
- धूल और वायु प्रदूषण को कम करता है।
- देशी वनस्पतियों और जीवों का संरक्षण करता है।
- सैकड़ों पक्षी प्रजातियों और वन्यजीवों का समर्थन करता है।
- मिट्टी के कटाव को रोकता है।
- भूजल पुनर्भरण में सुधार करता है।
- कार्बन सिंक के रूप में कार्य करता है और शहरी ताप द्वीप प्रभाव को कम करने में मदद करता है।

असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य:

- दिल्ली-हरियाणा सीमा पर दक्षिणी रिज में स्थित है।
- यह उत्तरी अरावली तेंदुआ वन्यजीव गलियारे का हिस्सा है।
- तेंदुए, नीलगाय, गीदड़, लकड़बग्घा, साही, सरीसृप और कई पक्षी प्रजातियों का घर।
- दिल्ली की जैव विविधता के लिए एक महत्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र।

परीक्षा फोकस बिंदु:

•	अभियान: दिल्ली रिज कायाकल्प अभियान।
•	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र: लगभग 6,300 हेक्टेयर।
•	भौगोलिक विशेषता: दिल्ली रिज (अरावली रेंज का उत्तरी विस्तार)।
•	उपनाम: दिल्ली के ग्रीन फेफड़े।
•	अरावली की सबसे ऊंची चोटी: गुरु शिखर (माउंट आबू)।
•	अरावली द्वारा पार किए गए राज्य: गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली।
•	सबसे बड़ा रिज खंड: दक्षिणी रिज।
•	प्रमुख संरक्षित क्षेत्र: असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, शरीयत बाल विवाह कानून को खत्म नहीं कर सकती

- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) भारत में वैधानिक बाल संरक्षण कानूनों को ओवरराइड नहीं कर सकता है।
- न्यायालय ने कहा कि यौवन की प्राप्ति को विवाह के लिए कानूनी पात्रता के रूप में नहीं माना जा सकता है यदि यह बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है।
- फैसले में इस बात की पुष्टि की गई है कि केंद्रीय कानूनों के तहत निर्धारित विवाह की कानूनी न्यूनतम आयु समान रूप से लागू होती है और नाबालिगों से संबंधित मामलों में बाल संरक्षण कानूनों को पर्सनल लॉ पर प्राथमिकता दी जाती है।

बाल विवाह निषेध अधिनियम (PCMA), 2006:

•	बाल विवाह पर रोक लगाने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए अधिनियमित किया गया।
•	एक बच्चे को इस प्रकार परिभाषित करता है:
•	पुरुष: 21 वर्ष से कम
•	महिला: 18 वर्ष से कम

के लिए प्रदान करता है:

- बाल विवाह को बढ़ावा देने या संचालित करने के लिए सजा।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

- बाल विवाह निषेध अधिकारियों (सीएमपीओ) की नियुक्ति।
- महिला पक्ष के लिए रखरखाव और निवास।
- ऐसे विवाहों से पैदा हुए बच्चों की अभिरक्षा और सुरक्षा।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012:

- बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए एक लिंग-तटस्थ कानून बनाया गया है।
- एक बच्चे को 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है।
- सहमति की परवाह किए बिना एक बच्चे से जुड़ी सभी प्रकार की यौन गतिविधियों को अपराध घोषित करता है।
- अपराधों के त्वरित विचारण के लिए विशेष न्यायालयों का प्रावधान किया गया है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) आवेदन अधिनियम, 1937:

- मुसलमानों के बीच विवाह, तलाक, विरासत, भरण-पोषण, संरक्षकता और वक्फ जैसे मामलों को नियंत्रित करता है।
- उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि पर्सनल लॉ बाल संरक्षण के लिए बनाए गए संसदीय कानून को ओवरराइड नहीं कर सकता है।

संवैधानिक प्रावधान:

• अनुच्छेद 14: कानून के समक्ष समानता।
• अनुच्छेद 15(3): महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान।
• अनुच्छेद 21: जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार
• अनुच्छेद 39 (f): शोषण के खिलाफ बच्चों का संरक्षण (निर्देशक सिद्धांत)।
• अनुच्छेद 44: समान नागरिक संहिता (नीति निर्देशक सिद्धांत)।

भारत में बाल विवाह:

बाल विवाह एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा बना हुआ है जो इससे जुड़ा हुआ है:

• स्कूल छोड़ना।
• मातृ और शिशु मृत्यु दर।
• कुपोषण।
• लैंगिक असमानता।

- भारत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 5.3 के तहत बाल विवाह को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो बच्चे, जल्दी और जबरन विवाह को समाप्त करना चाहता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• न्यायालय: इलाहाबाद उच्च न्यायालय।
• मुख्य निर्णय: शरीयत बाल संरक्षण कानूनों को ओवरराइड नहीं कर सकती है।
• प्रासंगिक अधिनियम: बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006; पॉक्सो अधिनियम, 2012
• कानूनी विवाह आयु: पुरुषों के लिए 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 वर्ष।
• बच्चे की पॉक्सो परिभाषा: 18 वर्ष से कम आयु का कोई भी व्यक्ति।
• समान नागरिक संहिता से संबंधित निर्देशक सिद्धांत: अनुच्छेद 44
• एसडीजी लक्ष्य: एसडीजी 5.3 - बच्चे, जल्दी और जबरन शादी को खत्म करना।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

लेट्स रिवाइज

- भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर के तहत किन्हीं चार महत्वपूर्ण खनिजों के नाम लिखिए: लिथियम, कोबाल्ट, निकल और ग्रेफाइट।
- AI-PACTS का क्या अर्थ है? साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ऑस्ट्रेलिया-भारत साझेदारी।
- किन दो संगठनों ने डिजिटल बाजार पहुंच और MSME समर्थन पहल के साथ ZED प्रमाणन को एकीकृत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए? भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) और राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी)।
- उत्तराखंड को हाल ही में निम्नलिखित में से किस कार्यक्रम के तहत भारत का छठा पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया था? उल्लास – समाज में सभी के लिए आजीवन सीखने की समझ (न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम)
- किस कंपनी ने भारत में दुनिया का पहला सप्ताह में एक बार बेसल इंसुलिन लॉन्च किया? नोवो नॉर्डिस्क।
- कौन सा देश 2027 में ग्लोबल एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा? स्विट्ज़रलैंड।
- किस भारतीय शहर को 2026 में दुनिया के सबसे खुशहाल शहरों में स्थान दिया गया था? जयपुर
- कौन सा शहर दुनिया के सबसे खुशहाल शहर 2026 रैंकिंग में सबसे ऊपर है? बाथ, यूनाइटेड किंगडम..
- RBI ने साउथ इंडियन बैंक के नए MD और CEO के रूप में किसे मंजूरी दी है? महेश मुरलीधर पई।
- भारत-ताजिकिस्तान जेसीटीईसी की कौन सी बैठक हाल ही में आयोजित की गई थी? भारत-ताजिकिस्तान जेसीटीईसी की 12वीं बैठक
- वियतनाम-भारत संसदीय मैत्री समूह (VIPFG) के अध्यक्ष कौन हैं? फान ची हियू।
- दिल्ली रिज किस पर्वत श्रृंखला से संबंधित है? अरावली रेंज।
- अरावली पर्वतमाला किन चार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में फैली हुई है? गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली।
- अरावली पर्वतमाला से निकलने वाली दो प्रमुख नदियों के नाम लिखिए: बनास और साबरमती। (लूनी भी अरावली क्षेत्र से निकलती है।
- हाल ही में किस उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि शरीयत बाल विवाह कानून को ओवरराइड नहीं कर सकती है? इलाहाबाद उच्च न्यायालय।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS
IAS ACADEMY
PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 | achievers_ias_patna | PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) | achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy | www.achieversiaspatna.co.in | Achievers IAS Academy, PATNA